# Dr. B.B. Hegde First Grade College, Kundapura

## DEPARTMENT OF HINDI

## Record of GD Conducted by Students

**Class & Section: I BBA**

**Date of Conduction:18.05.2023**

| SL. No. | Group I | | | Group II | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Name of students | Roll No. | Signature | Name of students | Roll No. | Signature |
| 01. | MAMATHA | BBA22024 | | FARHAN | BBA22061 | |
| 02. | AMBIKA | BBA22005 | | JEEVAN | BBA22019 | |
| 03. | SRINIDHI | BBA22020 | | KRISHANA | BBA22023 | |
| 04. | UTSAV | BBA22045 | | | | |
| 05. | SHASHANKA | BBA22032 | | | | |

**Topic: दूरदर्शन का प्रभाव**

**Essence of the Discussion:**

दूरदर्शन से अकेलापन का दोष बढ़ गया हैं । दूरदर्शन के कारण आपराधिक घटनाएं दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं । किंतु इसमें दोष दूरदर्शन का नहीं ,बल्कि कार्यक्रम प्रसारण - समिति का है । दूरदर्शन हमारे लिए एक ऐसा सशक्त माध्यम है,जिसके समुचित उपयोग से हम जीवन को अत्यधिक सुखद और सुंदर बना सकते हैं ।

Group I:

भारत जैसे विशाल देश में दूरदर्शन की महत्ता असंदिग्ध है । आज हमारे देश के सामने अनेकानेक समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं । दूरदर्शन के द्वारा ही विभिन्न प्रकार की समस्याओं के प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट कराकर उनका समाधान किया जा सकता है ।

ज्ञान - विज्ञान , समाज - शिक्षा तथा कृषि संबंधी विषयों के संबंध में जानकारी द्वारा लोगों का ज्ञानवर्धन किया जा सकता है । देश में मद्यपान के कुप्रभावों , परिवार नियोजन की आवश्यकता , भारतीय जीवन की विविधता में एकता यादि विषयों पर बहुत से कार्यक्रम दिखाकर लोगों को अत्यधिक जागरूक किया जा सकता है ।

इस दिशा में दूरदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो काफी प्रसन्नता का विषय है । दूरदर्शन के माध्यम से लोगों को शिक्षित किया जा सकता है। अपेक्षित कार्यक्रमों के द्वारा लोगों का मनोरंजन किया जा सकता है तथा उनके दृष्टिकोण को वैज्ञानिक रूप दिया जा सकता है ।

Group II:

दूरदर्शन से एक हानि यह भी है कि यह देखने वाले व्यक्ति को पंगु - सा बना देता है । सब कुछ सिनेमा के द्वारा घर में ही पहुँच जाती है और वह चुपचाप कमरे में बैठकर अथवा बिस्तर पर आराम करते हुए उसका दर्शक बन देखता रहता है । घटनाएँ उस तक पहुँच जाती हैं। परंतु स्वयं वह उन्हें देखने का वास्तविक अनुभव प्राप्त नहीं कर सकता ।वह देखता है कि किन्हीं दूर देशों में युद्ध में बम - वर्षा हो रही है अथवा दो देशों के खिलाड़ी खेल रहे हैं , रन या गोल बन रहे हैं , मैदान में उपस्थित दर्शक तालियाँ बजा रहे हैं , परंतु इस दृश्य को वह केवल देख सकता है , स्वयं उसका भागीदार कदापि नहीं बन सकता है।

## Conclusion:

दूरदर्शन से अकेलापन का दोष बढ़ गया हैं । दूरदर्शन के कारण आपराधिक घटनाएं दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं । किंतु इसमें दोष दूरदर्शन का नहीं ,बल्कि कार्यक्रम प्रसारण - समिति का है । दूरदर्शन हमारे लिए एक ऐसा सशक्त माध्यम है,जिसके समुचित उपयोग से हम जीवन को अत्यधिक सुखद और सुंदर बना सकते हैं ।

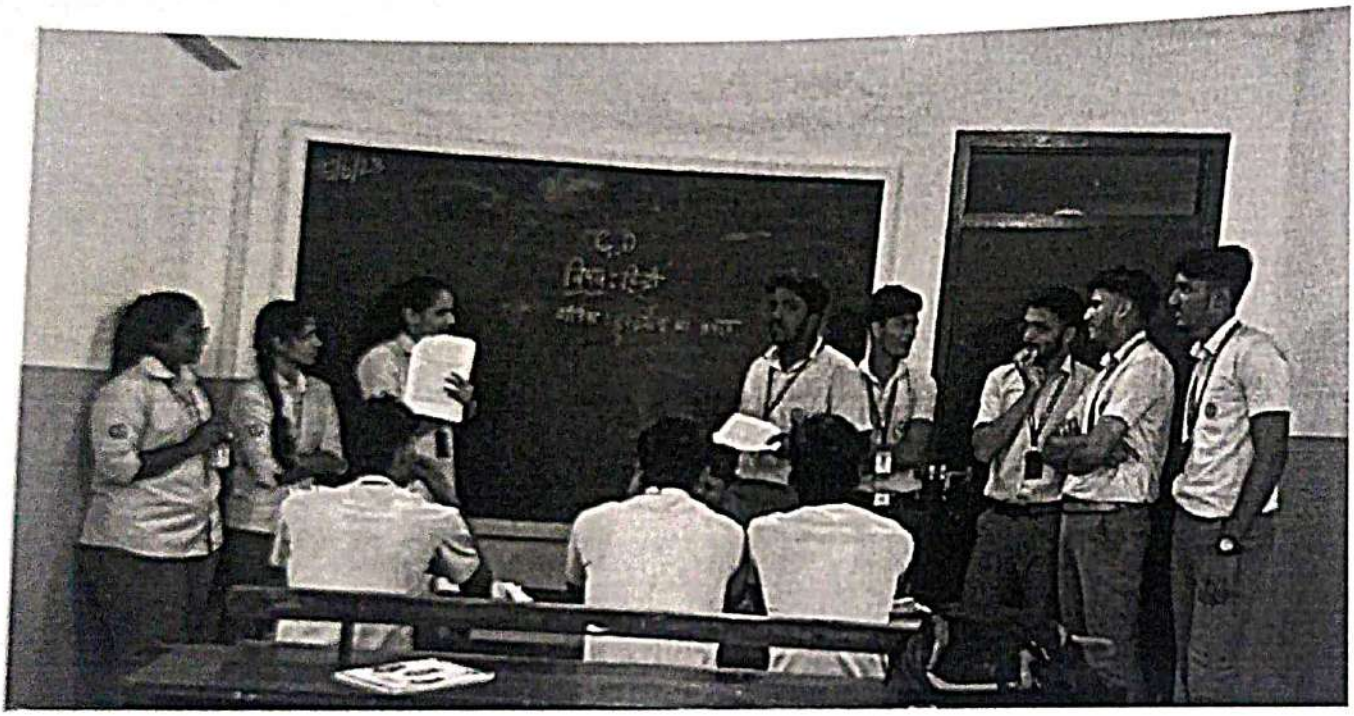

SIGNATURE OF FACULTY

SIGNATURE OF H.O.D

H.O.D. of Hindi
Dr. B. B. Hegde First Grade College
Kundapura - 576201